୬. ବାକ୍ୟ ପରିଚିତି: ସରଳ, ଯୌଗିକ, ଜଟିଳ ବାକ୍ୟ କିମ୍ବା ଦୁଇ ପ୍ରକାର ବାକ୍ୟର ମିଶ୍ରରୂପ ଭିତରୁ ଯେକୌଣସି ବାକ୍ୟଟିଏ ପ୍ରଶ୍ନରେ ଦେଇ ତା'ର ପ୍ରକାର ଚିହ୍ନାଇବାକୁ କୁହାଯିବ । ସମ୍ଭାବନା ସ୍ୱରୂପ ୪ପ୍ରକାର ଉତ୍ତର ଦିଆଯିବ, ତା'ଭିତରୁ ପରୀକ୍ଷାର୍ଥୀ ଠିକ୍ ଉତ୍ତରଟିକୁ ବାଛିବେ । (1 x 1)

୭. ସାଧାରଣ ଅଶୁଦ୍ଧି : ଶବ୍ଦ ଓ ବାକ୍ୟ ପ୍ରତ୍ୟେକରୁ ୨ଟି ଲେଖାଏଁ ପ୍ରଶ୍ନ ଦିଆଯାଇ ସେଥିରୁ ଠିକ୍ ଶବ୍ଦ କିମ୍ବା ବାକ୍ୟ ବାଛିବାକୁ କୁହାଯିବ । ଏଥିରେ ୩ଟି ଅଶୁଦ୍ଧ ଶବ୍ଦ କିମ୍ବା ବାକ୍ୟ ଓ ଗୋଟିଏ ଶୁଦ୍ଧ ଶବ୍ଦ ବା ବାକ୍ୟ ଥିବ, ସେଥିରୁ ଶୁଦ୍ଧଟିକୁ ବାଛିବେ। ଶବ୍ଦ ଓ ବାକ୍ୟ ପାଇଁ ଅଲଗା ପ୍ରଶ୍ନ ପଡ଼ିବ। (2 x 2=4)

୮. ସନ୍ଧି : ସ୍ୱରସନ୍ଧି, ବ୍ୟଞ୍ଜନ ସନ୍ଧି ଓ ବିସର୍ଗସନ୍ଧି ମଧ୍ୟରୁ ଯେକୌଣସି ଗୋଟିଏ ସନ୍ଧି ନିଷ୍ପନ୍ନ ପଦନେଇ ତା'ର ଠିକ୍ ବିଚ୍ଛେଦ ବାଛିବାକୁ ୪ (ଚାରି)ଟି ସମ୍ଭାବ୍ୟ ଉତ୍ତର ଦିଆଯିବ । ପରୀକ୍ଷାର୍ଥୀ ଠିକ୍‌କୁ ବାଛିବେ । (1 x 1)

୯. କାରକ : ବାକ୍ୟଟିଏ ଦେଇ ଗୋଟିଏ ପଦକୁ ରେଖାଙ୍କିତ କରି ତାହା କେଉଁ କାରକ ଚିହ୍ନାଇବାକୁ ୪ଟି ସମ୍ଭାବ୍ୟ ଉତ୍ତର ମଧ୍ୟରୁ ଠିକ୍ ବାଛିବାକୁ କୁହାଯିବ । (1 x 1)

୧୦. ବିଭକ୍ତି: ବାକ୍ୟଟିଏ ଲେଖା ଦେଇ ଗୋଟିଏ ପଦକୁ ରେଖାଙ୍କିତ କରି ତାହା କେଉଁ ବିଭକ୍ତି, ଦିଆଯାଇଥିବା ୪ଟି ସମ୍ଭାବ୍ୟ ଉତ୍ତର ମଧ୍ୟରୁ ବାଛିବାକୁ କୁହାଯିବ । ଏହିପରି ଦୁଇଟି ଭିନ୍ନ ଭିନ୍ନ ପ୍ରଶ୍ନ ପ୍ରଦାନ କରାଯିବ । (1 x 2)

୧୧. ସମାସ: ତତ୍ପୁରୁଷ, କର୍ମଧାରୟ, ବହୁବ୍ରୀହି, ଦ୍ୱିଗୁ, ଦ୍ୱନ୍ଦ୍ୱ, ଅଲୁକ୍, ଅବ୍ୟୟୀଭାବ-୭ଟି ସମାସ ମଧ୍ୟରୁ ଦୁଇଟି ପ୍ରଶ୍ନକରାଯାଇ ସମାସ ଚିହ୍ନାଇବାକୁ କିମ୍ବା ବ୍ୟାସବାକ୍ୟ ଦିଆଯାଇ ସମାସ ନିଷ୍ପନ୍ନ ପଦ ନିର୍ଣ୍ଣୟ କରିବାକୁ ଦିଆଯିବ । ପ୍ରତିଟି ପାଇଁ ୪ଟି ସମ୍ଭାବ୍ୟ ଉତ୍ତର ପ୍ରଦାନକରି ଠିକ୍‌ଟିକୁ ବାଛିବାକୁ ହେବ । (1 x 2)

୧୨. ରୂଢ଼ି : ଗୋଟିଏ ରୂଢ଼ି ଦିଆଯାଇ ତା'ର ୪ଟି ସମସ୍ୟା ଅର୍ଥ ମଧ୍ୟରୁ ଠିକ୍ ଅର୍ଥଟି ବାଛିବାକୁ କୁହାଯିବ । (1 x 1)

୧୩. ଛନ୍ଦ : ଛନ୍ଦ ପାଇଁ ଗୁଜ୍ଜରୀ, ନଟ ବାଣୀ, ବଙ୍ଗଳାଶ୍ରୀ, ଦାଣ୍ଡିବୃତ୍ତ, ରେଖ୍ତି-୫ଟି ମଧ୍ୟରୁ ଗୋଟିଏ ଛନ୍ଦର ଉଦାହରଣ ଉଦ୍ଧାରକରି ଛନ୍ଦ ଚିହ୍ନାଇବାକୁ କୁହାଯିବ । ଏଥିପାଇଁ ୪ଟି ସମ୍ଭାବ୍ୟ ଉତ୍ତର ଦିଆଯିବ । (1 x 1)

୧୪. ଅଳଙ୍କାର: ଅନୁପ୍ରାସ, ଉପମା, ରୂପକ, ବ୍ୟତିରେକ, ଉତ୍ପ୍ରେକ୍ଷା, ଅର୍ଥାନ୍ତରନ୍ୟାସ - ୬ଟି ମଧ୍ୟରୁ ଗୋଟିଏର ଉଦ୍ଧୃତି ଦେଇ ଅଳଙ୍କାର ଚିହ୍ନାଇବାକୁ କୁହାଯିବ । ଏଥିପାଇଁ ଚାରିଟି ସମ୍ଭାବ୍ୟ ଉତ୍ତର ଦିଆଯିବ । (1 x 1)

୧୫. ଏକ ପଦୀକରଣ : ବାଖ୍ୟା ପ୍ରଦାନ କରରାଯାଇ ଏହାକୁ ଏକପଦରେ ପ୍ରକାଶ କରିବାକୁ କୁହାଯିବ ଏବଂ ଏକପଦ ରୂପ ଦିଆଯାଇ ଏହା ଅର୍ଥ ବ୍ୟାଖ୍ୟା ଚିହ୍ନାଇବାକୁ ପ୍ରଶ୍ନକରାଯିବ । ଏଥିପାଇଁ ଦୁଇଟି ଭିନ୍ନ ଭିନ୍ନ ପ୍ରଶ୍ନ କରିବା ଓ ପ୍ରତିଟି ପାଇଁ ୪ଟି ଲେଖା ସମ୍ଭାବ୍ୟ ଉତ୍ତର ଦିଆଯିବ; ସେଥିରୁ ଠିକ୍‌ଟିକୁ ବାଛିବାକୁ ହେବ ।

Section III
TG : HINDI / SANSKRIT / URDU / TELGU

The candidates aspiring to appear the test in any of the classical language subjects as mentioned above, must have to fulfill the basic eligibility criteria as has been mentioned in the Government Resolution in the Guideline for Conducting OSSTET. The syllabus for each subject area has been detailed below. The full mark for each subject area is 60. The medium of examination for these subjects shall be in the respective languages.

Hindi (60 Marks)

60 Marks

इस विभाग में कुल अंक 60 हैं । अतएव 1 अंकवाले 60 प्रश्नों के उत्तर देना है । प्रत्येक प्रश्न के चार विकल्प होंगे । सही विकल्प चुनना होगा । प्रश्न ज्ञान के स्तर की परीक्षा करने के अनुकूल होंगे ।

UNIT- I (हिन्दी गद्य साहित्य)

10 अंक

(i) निबंध - निम्नलिखित पाठ्य विषयों से प्रश्न किए जायेंगे ।

- बालमुकुंद गुप्त - बनाम लार्ड कर्जन
- रामचन्द्र शुक्ल- क्रोध
- हजारी प्रसाद द्विवेदी - अशोक के फूल
- हरिशंकर परसाई - भोलाराम का जीव

(ii) उपन्यास -

- प्रेमचन्द - कर्मभूमि
- भगवती चरण वर्मा - चित्रलेखा
- मन्नू भण्डारी - आपका बंटी

(iii) कहानी -

- प्रेमचन्द - कफन, पूस की रात
- प्रसाद - पुरस्कार, आकाशदीप
- अज्ञेय - तत्सत्
- भगवती चरण वर्मा - प्रायश्चित्त
- कमलेश्वर - गर्मी के दिन
- जैनेन्द्र कुमार - पत्नी

- उषा पियम्बदा – वापसी
- भीष्म साहनी – चीक की दावत

(iv) नाटक –
- जय शंकर प्रसाद – चन्द्रगुप्त
- लक्ष्मीनारायण मिश्र – सिंदूर की होली
- मोहन राकेश – आषाढ़ का एक दिन

(v) संस्मरण / रेखाचित्र
- महादेवी वर्मा – गौरा
- रामवृक्ष बेनीपुरी – रज़िया
- विष्णु प्रभाकर – अंष्टावक्र

UNIT- II (पद्य विभाग)

10 अंक

(i) कवीर दास – दोहे – गुरु गोविन्द दोउ खड़े, पानी केरा बुद बुदा, माटी कहै कुम्भारसे, जलमें कुंभ, कस्तूरी कुंडल बसै, माली आपन, कल करै सो आज कर, साधु ऐसा चाहिए... । पद – माया महा ठमिनी ।

(ii) सूरदास – बाल वर्णन – मैया मैं नहीं माखन, मैया मोहि दाऊ बहुत खिझायौ, जसुमति हरि पालनै, मैया कबहुँ बढ़ेगी चोटी ।

भ्रमर गीत – अंधो मन मानेकी बात, ऊधो मन जहिं दस बीस, निर्गुन कौन देसकौ, अधा मोहि ब्रज विसरत नहिं ।

(iii) तुलसी दास – केवट प्रसंग, भरत-महिमा

(iv) बिहारी – मेरी सव बाधा हरौ, कनक कनक तैं, बतरस लालच, कहत नटत रीझत.. ।

(v) मैथिलीशरण गुप्त – यशोधरा

(vi) दिनकर – कुरुक्षेत्र (प्रथम तीन वर्ष)

(vii) बच्चन – पथकी पहचान, जुगनू

(viii) सुभद्राकुमारी – झाँसी की रानी

(ix) प्रसाद – भारतवर्ष, हिमाद्रि तुंग...

(x) पंत – प्रथम रश्मि, ताज

(xi) निराला – संध्यासुंदरी, तोड़ती पत्थर

(xii) केदारनाथ सिंह – अकाल में दूब

(xiii) नागार्जुन – बहुत दिनों के बाद

UNIT- III (प्रत्येक पाठ्य – बिन्दु से दो प्रश्न)

20 अंक

भाषा अध्ययन :

i) हिन्दी और ओड़िआ ध्वनियाँ (व्यतिरेकी ज्ञान)

ii) शब्द निर्माण – प्रचलित उपसर्ग और प्रत्यय

iii) संधि तथा समास

iv) विलोम और पर्यायवाची शब्द

v) शब्दों की सही वर्तनी और उच्चारण

vi) संज्ञा : लिंग, वचन

vii) कारक विभक्ति और विशेषण के मुख्य प्रकार

viii) क्रिया : (क) भेद (सकर्मक, अकर्मक, सरल, मिश्र, यौगिक, प्रेरणार्थक)

(ख) काल– तीन कालों का मुख्य भेद

ix) वाक्य : मुख्य भेद और परिवर्तन

x) अति प्रचलित मुहाबरे और कहाबतें

UNIT- VI (भाषा प्रयोग)

10 अंक

i) गद्य पाठ विधि – परिचयात्मक प्रश्न, बाचन, लेखन, बोध प्रश्न, ज्ञान, और चिंतामूलक प्रश्न ।

ii) पद्य पाठ विधि – सामान्य परिचयात्मक प्रश्न, व्याख्या की पद्धति, आत्मीकरण, काव्यानन्दका स्वाद ।

iii) व्याकरण पाठ विधि – आगमन / निगमन प्रणाली

iv) अनुवाद – ओडिआ से हिंन्दी पाँच सरल वाक्य या वाक्यांश

v) अपठित गद्य/पद्यांश – (छोटे-छोटे दो अंश)

उसमें से बोध / ज्ञान मूलक प्रश्न होंगे

–०–

Sanskrit (60 Marks)

शिक्षादान पद्धतिः

UNIT- 1 : Learning Sanskrit संस्कृतशिक्षणम् [10]

- संस्कृतशिक्षणस्य सामौन्यम् उद्देश्यं महत्वं च
- माध्यमिकस्तरे संस्कृत शिक्षायाः महत्वम्
- संस्कृतशिक्षायाः मुगमं कौशलम्
- श्रवणम् पाठनम्, वाचनम्, पठनकौशलम् लेखनकौशलम्

UNIT- 2 : भाषाप्रशिक्ष [10]

- व्याकरणानुवाद पद्धति : (Formal Grammar, Functional Grammar)
- प्रत्यक्षपद्वतिः (Preparation, Presentation, Comparison, Assimatation, (Directmethod) Application)
- परोक्षपद्धति : (Indirect Method) - अन्वय पद्धति Teaching Poetry,
- आरोह पद्धति : अस्या पद्धतेः गुजाः दोषाः च

Indirective Method - From Example to approach the sutra method in grammar.

- अवरोह पद्धति : (deductive method) Interpretation of the sutra and justification through the examples.

UNIT- 3 : भाषासाहित्यशिक्षण पद्धति : [10]

Method of assessment learning sanskrit languge and literature.

गद्य-पद्य प्रशिक्षण परीक्षण योजना

Planning of assessment of teaching prose and poetry.

परीक्षजस्य योजना साफल्यं च परीक्षणस्य अवान्तर साधनानि

श्रवणम्, भाषणम् पठनम्, वाचनम्, लेखनम्

Group-B (CONTENT)

UNIT- 4 : Elements of Sanskrit Language

संस्कृतभाषायाः मौलिकं ज्ञानम् [10]

शिक्षादान पद्धतिः

UNIT- 1 : Learning Sanskrit संस्कृतशिक्षणम् [10]

- संस्कृतशिक्षणस्य सामौन्यम् उद्देश्यं महत्वं च
- माध्यमिकस्तरे संस्कृत शिक्षायाः महत्वम्
- संस्कृतशिक्षायाः मुगमं कौशलम्
- श्रवणम् पाठनम्, वाचनम्, पठनकौशलम् लेखनकौशलम्

UNIT- 2 : भाषाप्रशिक्ष [10]

- व्याकरणानुवाद पद्धति : (Formal Grammar, Functional Grammar)
- प्रत्यक्षपद्वतिः (Preparation, Presentation, Comparison, Assimatation, (Directmethod) Application)
- परोक्षपद्धति : (Indirect Method) - अन्वय पद्धति Teaching Poetry,
- आरोह पद्धति : अस्या पद्धतेः गुजाः दोषाः च

Indirective Method - From Example to approach the sutra method in grammar.

- अवरोह पद्धति : (deductive method) Interpretation of the sutra and justification through the examples.

UNIT- 3 : भाषासाहित्यशिक्षण पद्धति : [10]

Method of assessment learning sanskrit languge and literature.

गद्य–पद्य प्रशिक्षण परीक्षण योजना

Planning of assessment of teaching prose and poetry.

परीक्षजस्य योजना साफल्यं च परीक्षणस्य अवान्तर साधनानि

श्रवणम्, भाषणम् पठनम्, वाचनम्, लेखनम्

Group-B (CONTENT)

UNIT- 4 : Elements of Sanskrit Language

संस्कृतभाषायाः मौलिकं ज्ञानम् [10]